आज समाज पेज 3
26.10.13

व्यापारियों को निशाना न बनाए सरकार : कैट

सरकार ने व्यापारियों को कहा जमाखोर

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सहित देश के विभिन्न भागों में प्याज की आसमान छूती कीमतों के लिए सरकार द्वारा व्यापारियों को जमाखोर कहकर दोषी ठहराने का जबरदस्त प्रतिवाद करते हुए व्यापारियों के शिखर संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस मुद्दे पर कहा कि सरकार प्याज की पैदावार और निर्यात के बीच सामंजस्य बैठाने एवं किसान से लेकर उपभोक्ता को प्याज की खपत पहुंचाने में बेहद नाकाम रही है और अब जमाखोरी का बहाना लेकर अपनी असफलताओं का ठीकरा व्यापारियों के सर पर फोड़ने की कोशिश कर रही है। यह पूर्ण रूप से देश भर में व्यापारियों को बदनाम करने की साजिश है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भर्तिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सरकार के जमाखोरी के आरोपों का पूरी तरह खंडन करते हुए कहा की यदि वाकई सरकार के आरोपों में सच्चाई है तो सरकार ने ऐसे जमाखोरों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की।

रिटेल व्यापार में छोटे व्यापारियों और कॉर्पोरेट सेक्टर के बीच सरकार को भेद करते हुए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। दोनों व्यापारी नेताओं ने कहा की रिटेल व्यापार में बड़े कॉर्पोरेट घरानों के रिटेल स्टोर्स की अनेक बड़ी चेन चल रही हैं और देश भर में फैले उनके रिटेल स्टोर्स को लगातार उत्पाद की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए कॉर्पोरेट रिटेलर्स बड़ी मात्रा में एक लम्बे समय तक उत्पादों का संग्रह करते है। क्या कभी सरकार ने रिटेल व्यापार के इस फॉर्मेट पर जानने की कोशिश की है की किस माता में यह कॉर्पोरेट रिटेलर्स उत्पादों का संग्रह करते हैं। यह भी कहा की आम किसान यदि बाज़ार में प्याज बेचने आये तो उसे अनिवार्य रूप से एपीएमसी मार्केट में ही आकर और मंदी शुल्क देकर अपना माल बेचना पड़ेगा जबकि दूसरी और कॉर्पोरेट रिटेलर्स अपने वेयरहाउस से सीधे अपने स्टोर तक माल बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। यह बहुत बड़ी अनियमितता है जिसको तुरंत ठीक किया जाना चाहिए।